Vijay Kumar Jha.
Asso Prof
Department in History.
V.S.J. College Rajnagar.

Degree Part II

# Foundation of Mughal Empire in India in 1526.

बाबर कि भारतीय अभियान के समय भारत कि राजनीतिक दशा शोचनीय थी। सम्पूर्ण भारत छोटे-छोटे राज्यों में बंटा था। मोहम्मद गोरी तथा गजनवी के आक्रमण के समय जैसी परिस्थितियां भारत में पैदा हो गई थी। छोटे-छोटे राज्य आपसी ईर्ष्या और द्वेष से ग्रसित रहे थे। बाबर का सामना अफगान एवं राजपूतों कि राज्य से हुआ था। स्थितियां बाबर को भारत पर आक्रमण करने कि राह देख रही थी। भारतीय राज्य ने तैमूर के आक्रमण से भी सबक नहीं लिया था और इसीवश इब्राहिम लोदी के चाचा आलम खां ने बाबर को आक्रमण करने का निमंत्रण दिया था। स्पष्ट है कि भारतीय अभियान के समय भारत कि राजनीतिक एकता समाप्त हो गई थी और भारत चार भागों में बंट गया था। प्रथम सिंधु नदी से बंगाल कि खाड़ी तक उत्तरी क्षेत्र दूसरा गुजरात एवं समीपवर्ती प्रदेश तीसरा उत्तर और दक्षिणी राज्य के मध्य राजपुताना चौथा सुदूर दक्षिण में विजयनगर।

① दिल्ली :— दिल्ली में लोदी वंश का शासन था जिसका सम्राट इब्राहीम लोदी था। इसके काल में दिल्ली, आगरा, जौनपुर तथा उसके समीपवर्ती क्षेत्र ही सीमित था। इब्राहीम अयोग्य एवं कमजोर शासक था। उसके समय में कई विद्रोह हुए जिसका वह दमन नहीं कर सका। सर्वत्र अशांति एवं अव्यवस्था फैल गई। इब्राहीम के चाचा आलम खां ने स्वयं को सम्राट का दावेदार पेश किया, पंजाब के सरदार दौलत खां, बिहार के बहादुर खां और जौनपुर के अफगान नासिर खां ने अपने को स्वतंत्र घोषित कर दिया था।

② पंजाब :— पंजाब दिल्ली सल्तनत का ही अंग था और वहाँ के सुल्तान दौलत खां महत्वाकांक्षा के कारण इब्राहीम लोदी

MAY 2019
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10
12 13 14 15 16 17
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30 31

को चुनौती दे दिया था। इब्राहिम लोदी के विरुद्ध उसने बाबर से भी मदद लेने का प्रयत्न किया था। जिससे बाबर को भारत में प्रवेश करने का सुनहला मौका मिला।

(3) बंगाल :— बंगाल में हुसैनी वंश का शासन था हुसैनी वंश के साम्राज्य कि सीमाएँ उड़ीसा एवं कुछ बिहार तक विस्तृत हो गया था। बाबर ने हुसैनी कि वीरता भांपकर उससे संधि कर लिया

(4) बिहार :— बिहार भी दिल्ली सल्तनत का अंग था। इब्राहिम के शासनकाल से ही विद्रोह कि अग्नि प्रज्वलित हो रहा था यह विद्रोह लोहानी के नेतृत्व में चल रहा था जिसे दबाने में इब्राहिम असफल रहा और निरन्तर दिल्ली के शासक के लिये सर दर्द बनकर रह गया था।

(5) जौनपुर :— जौनपुर भी दिल्ली सल्तनत का अंग था किन्तु वहाँ नासिर खाँ के नेतृत्व में सुल्तान के विरुद्ध संघर्ष चल रहा था।

(6) मालवा :— 1310 ई० में अल्लाउद्दीन खिलजी ने मालवा को दिल्ली सल्तनत का अंग बनाया था। मालवा में दिलावर खाँ स्वतंत्र राज्य कि स्थापना किया था। 1526 ई० में मालवा के शासक महमूद द्वितीय था जो एक अयोग्य शासक था। महमूद पर राजपूत राजपूत सरदार मेदनीराय का प्रभाव था जिससे मुसलमान असंतुष्ट हो गये थे धर्मसंकट में पड़कर महमूद ने गुजरात के शासक मुजफ्फर शाह कि मदद से मेदनीराय पर आक्रमण कर दिया। मेदनीराय ने राणासांगा कि मदद से महमूद को पराजित किया।

(7) खानदेश :— ताप्ती नदी के घाटी में बसा खानदेश एक छोटा राज्य था। यहाँ का शासक मलिक ~~मोहम्मद~~ अहमद था किन्तु उसकी मृत्यु के बाद गुजरात के शासकों ने खानदेश में हस्तक्षेप किया और गुजरात के शासक महमूद ने अपने समर्थक आदिल शाह को खानदेश कि गद्दी पर बैठाया। किन्तु आदिल शाह के मृत्यु के बाद उसका पुत्र महमूद प्रथम गद्दी पर बैठा जो बाबर का समकालीन।

(8) गुजरात :— गुजरात एक स्वतंत्र राज्य था। किन्तु 1297 ई० में अल्लाउद्दीन के द्वारा दिल्ली सल्तनत का अंग बना लिया गया। 1398 ई० में जफर खाँ ने तैमूर के आक्रमण से फायदा

उठाकर जफर ने स्वतंत्र राज्य कि घोषणा कर दी और मुजफ्फर शाह के नाम से गुजरात कि गद्दी पर बैठा।

⑨ कश्मीर :- कश्मीर हिंदुओं का साम्राज्य था। 1399 ई० में यहाँ मुसलमान शासन कि स्थापना हुई। कश्मीर का शासक जैनुल आबदीन था, उसे कश्मीर का अकबर कहा गया है। जैनुल के मृत्योपरान्त उसके उत्तराधिकारी अयोग्य निकले और कश्मीर में अराजकता फैल गई।

⑩ बहमनी :- इस राज्य कि स्थापना 1347 ई० में हसन ने किया था। हसन का काल मे विजयनगर साम्राज्य से संघर्ष होता रहा। सुल्तान धर्मान्ध था और हिंदुओ के कट्टर विरोधी थे अतः इन्हीं संघर्ष के कारण उसका शक्ति क्षीण हो गया। बहमनी में पांच राज्य-बरार, बीदर, अहमदनगर, गोलकुंडा और बीजापुर थे, जो आपस में संघर्ष रत थे।

⑪ उड़ीसा :- उड़ीसा राज्य शक्तिशाली था जिस पर मुसलमान कभी आक्रमण नहीं कर सके क्योंकि ये दिल्ली सल्तनत से दूर थे।

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि बाबर के भारतीय अभियान के समय भारत में राजनीतिक एकता का घोर अभाव था और राज्यों में पारस्परिक प्रतिद्वंद्विता चल रही थी जिससे सभी राज्यों कि शक्ति क्षीण हो रही थी अतः सैनिक दृष्टिकोण से भारत दुर्बल हो गया था। भारत कि सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो गया था। ऐसी अनुकूल वातावरण में बाबर के आक्रमण के लिये मंच तैयार था। भारत बाबर के आक्रमण कि राह देख रहे थे। 1526 ई० में पानीपत के युद्ध में दिल्ली के शासक इब्राहिम लोदी को पराजित कर 27 अप्रैल 1526 ई० को विजित बाबर ने भारत में मुगल वंश कि नींव डाली। और इस प्रकार भारत में मुगल वंश कि नींव पड़ी।

MAY 2019

| Su | Mo | Tu | We | Th | Fr | Sa |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | |